केंद्रीय विद्यालय संगठन राष्ट्रीय एकता पर्व -2024

केंद्रीय विद्यालय बरपेटा, असम

“एक भारत श्रेष्ठ भारत एवं कला उत्सव कार्यक्रम”

तिथि: 27 सितंबर 2024 से 28 सितंबर 2024

दिनांक - 28 सितंबर 2024

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सांस्कृतिक एकीकरण और आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक पहल है। 2015 में शुरू किया गया यह कार्यक्रम लोगों को विभिन्न क्षेत्रों की विविध परंपराओं, भाषाओं और विरासत का पता लगाने और उनकी सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता है। एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति जागरूकता फैलाने, भारत की विविधता में एकता की भावना को सुदृढ़ करने और सद्भाव बढ़ाने हेतु केन्द्रीय विद्यालय संगठन संकुल स्तर, क्षेत्रीय स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर **राष्ट्रीय एकता पर्व एवं कला उत्सव** कार्यक्रम का आयोजन करता आ रहा है| यह कार्यक्रम सभी केंद्रीय विद्यालयों में एक वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है, जिसमें समृद्ध राष्ट्रीय विरासत और विविधता में एकता को प्रदर्शित किया जाता है।

इस वर्ष के वि सं गुवाहाटी संभाग के निर्देशानुसार केन्द्रीय विद्यालय बरपेटा में संकुल स्तर पर ‘राष्ट्रीय एकता पर्व एवं कला उत्सव’ कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 27 सितंबर 2024 से 28 सितंबर 2024 तक बड़े उत्साह और गर्व के साथ किया गया।

दिनांक 27 सितंबर 2024 को प्रातः 9:00 बजे बरपेटा संकुल के अंतर्गत आने वाले सात केन्द्रीय विद्यालय (के. वि. बरपेटा, के. वि. ग्वालपारा, के. वि. कोकराझार, के. वि. न्यू बोंगाईगांव, के. वि. पानबारी, के. वि. रंगिया, के. वि. तामूलपुर) के प्रतिभागियों, उनके अनुरक्षकों और निर्णायक मण्डलसहित कुल 70 लोगों की उपस्थिति में कार्यस्थल प्राचार्य के. वि. बरपेटा श्री राजेश कुमार दूबे जी ने निर्णायक मण्डल के साथ दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम की शुरुआत की, इसके बाद प्राचार्य महोदय द्वारा निर्णायक मण्डल के सदस्यों का असमिया गमछा पहनाकर स्वागत किया गया तत्पश्चात संगीत शिक्षक श्री मनीष भालाधारे के निर्देशन में केन्द्रीय विद्यालय बरपेटा के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी का स्वागत किया| इसके बाद श्री अखिलेशधर दूबे, स्नातकोत्तर शिक्षक अर्थशास्त्र ने कार्यक्रम की रूपरेखा और नियमों से प्रतिभागियों को अवगत कराया| इसके बाद विद्यालय के प्राचार्य महोदय ने उपस्थित प्रतिभागियों और शिक्षकों को संबोधित किया और लाटरी कराकर कार्यक्रम को शुरू करने की अनुमति प्रदान की।

इसी के साथ ही प्रथम दिवस दिनांक 27 सितंबर 2024 के कार्यक्रम तीन स्थानों पर प्रारंभ किया गया, प्रथम स्थान सभागार कक्ष में कहानी-कथन, नाटक और एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया| द्वितीय स्थान संगीत कक्ष में स्वर संगीत और यंत्र संगीत का आयोजन किया गया| तृतीय स्थान पुस्तकालय में दृश्य कला का आयोजन किया गया|

प्रथम स्थान सभागार कक्ष के कार्यक्रम

1. **पारंपरिक कहानी कथन प्रतियोगिता :**
   लाटरी नं. के अनुसार क्रमशः प्रतिभागियों को प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया, इसमे तीन विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया|

2. **नाटक/ एकल अभिनय प्रतियोगिता :**
   लाटरी नं. के अनुसार क्रमशः प्रतिभागियों को प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया, इसमे पाँच विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया| सभी प्रस्तुतियों का मुख्य विषय "भारत की विविधता में एकता" था। विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति के विभिन्न पक्षों को समूह और एकल अभिनय के माध्यम से प्रदर्शित किया।

3. **एकल नृत्य कार्यक्रम:**
   लाटरी नं. के अनुसार क्रमशः प्रतिभागियों को प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया, इसमे पाँच विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया| इसमे विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति से संबंधित शास्त्रीय और लोक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी|

द्वितीय स्थान संगीत कक्ष के कार्यक्रम

1. स्वर संगीत

लाटरी नं. के अनुसार क्रमशः प्रतिभागियों को प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया, इसमे पाँच विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया|

1. यंत्र संगीत

लाटरी नं. के अनुसार क्रमशः प्रतिभागियों को प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया, इसमे पाँच विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया|

तृतीय स्थान पुस्तकालय के कार्यक्रम

चित्रकला प्रतियोगिता, शिल्पकला/ स्थानीय खेल और खिलौने का प्रदर्शन

लाटरी नं. के अनुसार क्रमशः प्रतिभागियों को प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया, इसमें छह विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया| विभिन्न विद्यालय के विद्यार्थियों ने "पर्यावरण संरक्षण" और "भारत की सांस्कृतिक धरोहर" जैसे विषयों पर अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से जीवंत किया। शिल्पकला में विद्यार्थियों ने पुराने वस्त्रों, कागज, प्लास्टिक, मिट्टी और अन्य पुन: प्रयोज्य सामग्रियों से खूबसूरत सजावटी वस्तुएं बनाई। इस प्रदर्शनी ने न केवल विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को उजागर किया बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

द्वितीय दिवस

दिनांक 28 सितंबर 2024

दिनांक 28 सितंबर 2024 को प्रातः 10:00 बजे बरपेटा संकुल के अंतर्गत आने वाले सात केन्द्रीय विद्यालय (के. वि. बरपेटा, के. वि. ग्वालपारा, के. वि. कोकराझार, के. वि. न्यू बोंगाईगांव, के. वि. पानबारी, के. वि. रंगिया, के. वि. तामूलपुर) के प्रतिभागियों, उनके अनुरक्षकों और निर्णायक-मण्डल सहित कुल 138 लोगों की उपस्थिति में द्वितीय दिवस के कार्यक्रम दो स्थान पर प्रारंभ किया गया, प्रथम स्थान सभागार कक्ष में समूह गीत, समूह नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया| द्वितीय स्थान पुस्तकालय में त्वरित चित्रकला प्रतियोगिता और मॉडल प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया|

1. समूह गीत प्रतियोगिता

लाटरी नं. के अनुसार क्रमशः प्रतिभागियों को प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया, जिसमें बरपेटा संकुल के सभी विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया| विद्यार्थियों ने अपने-अपने लोकगीत की जीवंत प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया|

2. समूह नृत्य प्रतियोगिता

लाटरी नं. के अनुसार क्रमशः प्रतिभागियों को प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया, जिसमें बरपेटा संकुल के सभी विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया| विद्यार्थियों ने अपने-अपने लोकनृत्य की प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया और झूमने के लिए मजबूर कर दिया|

3. त्वरित चित्रकला प्रतियोगिता

लाटरी नं. के अनुसार क्रमशः प्रतिभागियों को चित्रकला के लिए उचित स्थान पर बैठाया गया और 2 घंटे का समय दिया गया| इसमे सभी विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया|

4. मॉडल प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता

लाटरी नं. के अनुसार क्रमशः प्रतिभागियों को मॉडल प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता के लिए उचित स्थान पर बैठाया गया और 2 घंटे का समय दिया गया| इसमे सभी विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया और राजस्थान राज्य से संबंधित मॉडल बनाया और प्रस्तुत किया|

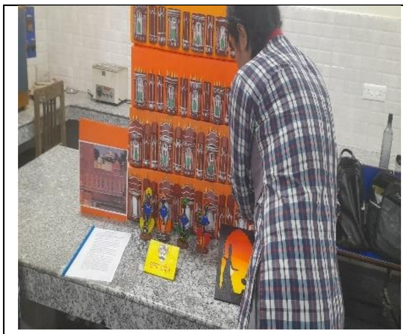

पुरस्कार वितरण:

कार्यक्रम के दूसरे और अंतिम दिन कार्यक्रम निदेशक, प्राचार्य के. वि. बरपेटा श्री राजेश कुमार दूबे जी ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की और राष्ट्रीय एकता पर्व तथा कला उत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कला और संस्कृति न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि यह व्यक्ति की सृजनात्मकता, संवेदनशीलता

और समाज के प्रति उत्तरदायित्व को भी विकसित करती है।

अंत में, विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। निर्णायक मंडल ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की प्रशंसा की और सभी प्रतिभागियों को भविष्य में और अधिक ऊँचाइयाँ छूने की शुभकामनाएँ दीं। दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्राचार्य

केन्द्रीय विद्यालय बरपेटा